EQUIFAX®

sidbi

माइक्रोफ़ाइनेंस पल्स

खण्ड VII – नवंबर 2020

विश्लेषक संपर्क

इक्विफ़ैक्स

किरण समुद्राला
वाइस प्रेसिडेंट -
एनालिटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com

श्रुति जोशी
एवीपी - एनालिटिक्स
shruti.joshi@equifax.com

ख्याति खजूरिया
एएम -
एनालिटिक्स
khayati.khajuria@equifax.com

वंदना पांचाल
सीनियर एग्ज़ीक्यूटिव
एनालिटिक्स
vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

कैलाश चंद्र भानू,
मुख्य महाप्रबंधक -
ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती
उपमहाप्रबंधक -
ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार
सहायक प्रबंधक
ईआरडीएवी
rameshk@sidbi.in

विषय सूची

- कार्यपालक सारांश 03
- संक्षिप्ताक्षर एवं शब्दावली 04
- माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन 05
- संवितरण के रुझान 08
- उद्योग जोखिम रूपरेखा 11
- भौगोलिक एक्सपोजर 13
- एमएफआई उद्योग और कोविड-19 16
- आकांक्षी जिले 18
- राज्य की व्यापक रूपरेखा : बिहार 21

कार्यपालक सारांश

हमारे नवीनतम समाचार पत्र में आपका स्वागत है। हम आशा करते हैं कि हमारे सभी संस्करण आपको माइक्रोफाइनेंस उद्योग में अनुभव किए जा रहे लगातार बदलावों के साथ जोड़े रखते हैं। माइक्रोफाइनेंस पल्स के सातवें संस्करण में उद्योग के संस्थागत रुझानों के साथ-साथ बदल रही भौगोलिक गतिकी व संवितरण और संविभाग रुझानों पर प्रकाश डाला गया है।

30 सितंबर, 2020 तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग 6 करोड़ के करीब मौजूदा उधारकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। माइक्रोफाइनेंस उद्योग में संविभाग बकाया के मामले में 14% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई है। 30 सितंबर, 2020 तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग का संविभाग बकाया 2,27,844 करोड़ रुपये रहा है। एसएफबी में संविभाग बकाया के मामले में 24% की सबसे अधिक वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई है। बैंक संविभाग बकाया की दिशा में 41% योगदान दे रहे हैं और उसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई 31% पर है।

माइक्रोफाइनेंस उद्योग धीरे-धीरे बहाल हो रहा है, जुलाई अगस्त सितम्बर 20 में 32,375 करोड़ रुपये के 92 लाख ऋण संवितरित किए गए जो मात्रा के मामले में अगस्त, मई, जून '20 की तुलना में 300% अधिक है और मूल्य के मामले में 393% अधिक है। 10 हजार से 50 हजार की श्रेणी में 70% से अधिक ऋण संवितरित किए गए हैं। ऋण संवितरण के मामले में सभी तिमाहियों में बैंकों का योगदान सबसे अधिक रहा है, इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई आते हैं । उद्योग में औसत टिकट साइज ऋण में जुलाई अगस्त सितम्बर 19 की तुलना में जुलाई अगस्त सितम्बर 20 में 5% की वृद्धि हुई। सितंबर 2020 में समग्र अपचारिता सभी तिमाहियों में 19.83% पर सबसे अधिक रही है।

आखिल भारतीय संविभाग में सर्वोच्च 9 राज्यों का योगदान 75% से ज्यादा है। संविभाग बकाया में तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल का योगदान 15% है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की 90+ अपचारिता का क्रमशः 0.25% और 0.38% पर बनी रही है। आकांक्षी जिलों का आखिल भारतीय बकाया शेष 12% योगदान है और 90+ अपचारिता 0.35% पर है।

बिहार 11% के आखिल भारतीय हिस्से के साथ बकाया संविभाग के मामले में आखिल भारतीय स्तर पर तीसरा सर्वोच्च राज्य है। बिहार का औसत टिकट साइज ऋण सितंबर 2020 तक 38,209 रुपये है, जो आखिल भारतीय , जुलाई अगस्त सितम्बर 20 की औसत टिकट साइज से 8% अधिक है। बिहार में बैंकों का सबसे ज्यादा औसत टिकट साइज ऋण 42,743 पर है और एसएफबी 41,457 रुपये पर है। सितंबर 2020 तक बिहार की 90+ अपचारिता 0.18% पर रही है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी ने दुनिया भर के प्रत्येक क्षेत्र में परिचालन को बाधित किया है । कहने की आवश्यकता नहीं है कि माइक्रोफाइनेंस संस्थानों ने भी मंदी का अनुभव किया है । मात्रा और मूल्य की दृष्टि से ऋण स्रोतीकरण में सर्वोच्च 5 राज्यों का योगदान जुलाई, अगस्त, सितम्बर 19 में 56% था, जो इस वैश्विक महामारी के कारण जुलाई, अगस्त, सितम्बर 20 में घटकर 52% हो गया है। जुलाई, अगस्त, सितम्बर 19 में शीर्ष 5 राज्यों ने 103 लाख ऋण वितरित किए। जुलाई, अगस्त, सितम्बर 20 में शीर्ष 5 राज्यों ने 49 लाख लोन संवितरित किए जो जुलाई, अगस्त, सितम्बर 19 से 53% कम है। जुलाई, अगस्त, सितम्बर 20 में संवितरण राशि जुलाई, अगस्त, सितम्बर '19 की तुलना में 50% घट गई है।

संक्षिप्ताक्षर और शब्दावली

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या
- डीपीडी = देय तिथि पश्चात बीते हुए दिन
- मौजूदा बकाया संविभाग या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 to 179 डीपीडी + नए खाते + चालू खाते
- एमएफआई = माइक्रोफ़ाइनेंस संस्थान
- पीओएस = बकाया संविभाग
- यूटी = संघ शासित क्षेत्र
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए पहचान किए गए जिले (वर्तमान में संख्या 117 है) जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और मूलभूत बुनियादी ढांचे जैसे समग्र संकेतांकों पर आधारित है।

- 1-179 = 1 to 179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 1-29 = 1 to 29 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 30-59 = 30 to 59 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 60-89 = 60 to 89 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 90-179 = 90 to 179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 30+ अपचारिता = 30-179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
- 90+ अपचारिता = 90-179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस

- JAS'19 = जुलाई से सितंबर 2019 तक
- OND'19 = अक्तूबर 2019 से दिसंबर 2019 तक
- JFM'20 = जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक
- AMJ'20 =अप्रैल 2020 से जून 2020 तक
- JAS'20 =जुलाई 2020 से सितंबर 2020 तक

माइक्रो फ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

अल्प वित्त आशुचित्र - यथा 30 सितंबर, 2020

ग्राफ-01

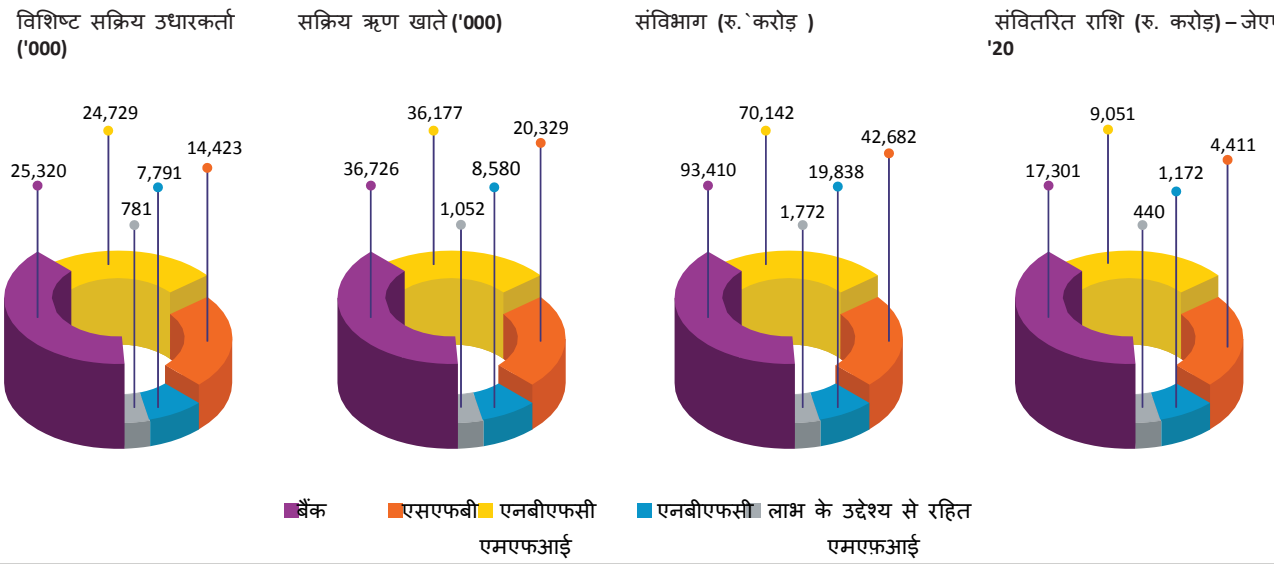

30 सितंबर 2020 तक का आशुचित्र	बैंक	एसएफबी	एनबीएफसी - एमएफआई	एनबीएफसी	लाभ के उद्देश्य से रहित एमएफआई	कुल उद्योग
विशिष्ट सक्रिय उधारकर्ता ('000)	25,320	14,423	24,729	7,791	781	73,044
सक्रिय ऋण ('000)	36,726	20,329	36,177	8,580	1,052	102,864
संविभाग (₹करोड़)	93,410	42,682	70,142	19,838	1,772	227,844
संवितरित राशि (₹करोड़) – जेएएस'20	17,301	4,411	9,051	1,172	440	32,375
औसत ऋण आकार (₹) -जेएएस'20	38,862	31,678	31,956	32,006	29,719	35,225
30+अपचारिता (पीओएस)	6.03%	2.79%	4.21%	2.04%	1.34%	4.48%
90+ अपचारिता (पीओएस)	0.39%	0.26%	1.25%	0.35%	0.53%	0.63%

- 30 सितंबर 2020 तक उद्योग संविभाग बकाया 227,844 करोड़ रुपये रहा है जिसमें बैंक 41% बाजार हिस्सेदारी के साथ माइक्रोफाइनेंस उद्योग का नेतृत्व कर रहे हैं
- जेएएस 20 की तिमाही में मूल्य के अनुसार संवितरण, लॉकडाउन तिमाही (एएमजे'20) से 393% तिमाही दर तिमाही वृद्धि दर्ज करते हुए 32,375 करोड़ रुपये रहा था। जून 20 में संवितरण 6,040 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर 2020 में 12,724 करोड़ रुपये हो गया।
- बैंक इस संवितरण वृद्धि में सबसे आगे रहे हैं जेएएस 20 के दौरान संवितरणों में बैंकों की 53% हिस्सेदारी रही है
- कोविड 19 पश्चात लगाई गई लॉकडाउन अवधि, जेएएस'20 के लिए उद्योग एटीएस की तुलना में जेएफमार्च'20 उद्योग में 96% एटीएस की वसूली हुई है
- 30 सितंबर 2020 तक बैंकों का रु 38,862 पर सबसे ज्यादा एटीएस बनाए रखा है - जो उद्योग के एटीएस (रु35,225) की तुलना में 10% अधिक है
- एनबीएफसी-एमएफआई ने सितंबर 2020 तक सबसे अधिक 90 + अपचारिता 1.25% दर्ज किया

नोट: एमएफआई घटक में ~ 6 करोड़ विशिष्ट सक्रिय उधारकर्ता हैं। ग्राहकों की विशिष्टता की संख्या में अंतर का कारण ग्राहकों के एसएफबी, बैंकों, एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी और लाभ का उद्देश्य रहित एमएफआई के साथ अनेक व्यवहार होने के कारण है

माइक्रोफाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

ग्राफ-02

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी के रुझान

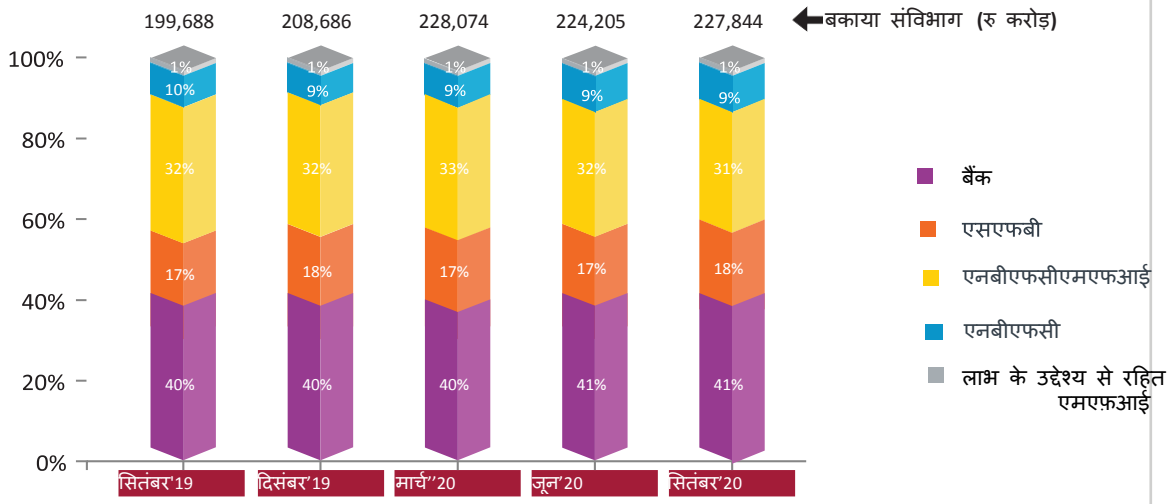

बकाया संविभाग(₹करोड़)

विवरण	सितंबर '19	दिसंबर '19	मार्च '20	जून '20	सितंबर '20
बैंक	80,526	83,725	90,643	91,922	93,410
एसएफबी	34,290	36,639	40,539	39,225	42,682
एनबीएफसी - एमएफआई	63,394	67,104	74,771	71,342	70,142
एनबीएफसी	19,508	19,415	20,225	19,875	19,838
लाभ के उद्देश्य से रहित एमएफआई	1,970	1,802	1,896	1,841	1,772
कुल उद्योग	199,688	208,686	228,074	224,205	227,844
तिमाही दर तिमाही संवृद्धि%	-	5%	9%	-2%	2%

सारिणी-02

- माइक्रोफाइनेंस उद्योग में सितंबर 2019 से सितंबर 2020 तक 14% की संवृद्धि हुई है
- सितंबर 2019 से सितंबर 2020 तक 24% की सर्वाधिक वर्षानुवर्ष संवृद्धि के साथ एसएफबी ने नेतृत्व किया और जून से सितंबर 2020 तक तिमाही दर तिमाही संवृद्धि 9% रही है।
- जून 2020 के बकाया संविभाग मे इस अवधि में नए ऋणों में गिरावट के कारण गिरावट देखी गई है, इसके लिए वैश्विक महामारी के दौरान हुए लॉकडाउन को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है

संवितरण के रुझान

MicrofinancePulse

संवितरण के रुझान – संस्थानवार

ग्राफ-03

ऋणदाता प्रकार द्वारा बाजार में हिस्सेदारी का रुझान

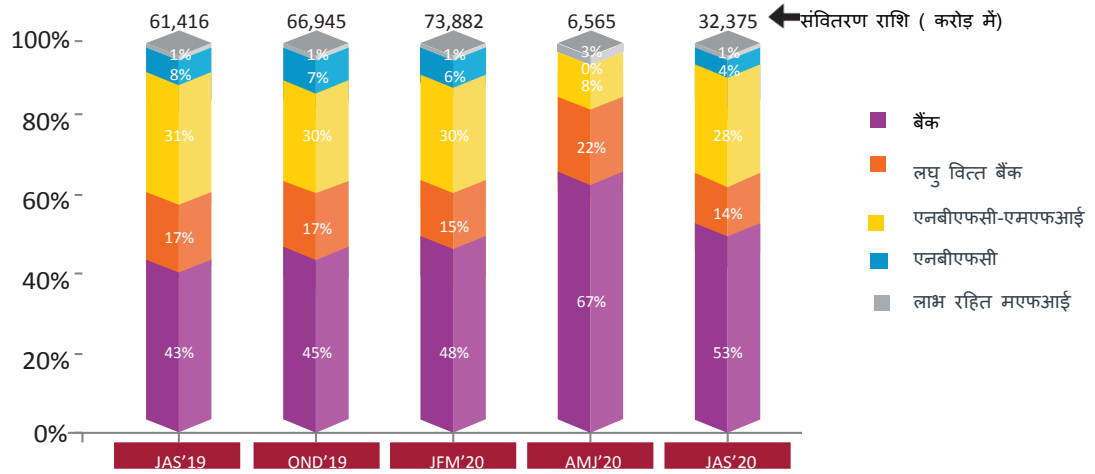

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋणदाता का प्रकार	जु आ सि '19	अ न दि'19	ज फ म '20	अ म जू '20	जु आ सि'20
बैंक	68	74	83	14	45
एसएफबी	31	33	33	6	14
एनबीएफसी-एमएफआई	70	70	72	2	28
एनबीएफसी	13	12	11	0	4
लाभ का उद्देश्य रहित एमएफआइ	2	3	2	1	1
कुल उद्योग	184	192	201	23	92

सारिणी-03

- देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अप्रैल मई जून 20 में संवितरण 6,565 करोड़ रुपये तक गिर गया था
- बैंकों और एसएफबी ने लॉकडाउन अवधि में संवितरण में सबसे अधिक योगदान दिया - जो कि क्रमशः 67% और 22% रहा
- जेएएस '20 में पर्याप्त रिकवरी के कारण मूल्य द्वारा संवितरण के मामले में एएमजे20 से जेएएस'20 तक 393% की संवृद्धि देखी गई है। इस वसूली में बैंकों का 53% और एनबीएफसी-एमएफआईआई का 28% की वसूली के साथ दबदबा रहा। हालांकि, जेएएस'20 के दौरान मूल्य के अनुसार संवितरण, लॉकडाउनपूर्व तिमाही (जेएफएम'20) की तुलना में 44% रहा है
- एएमजे 20 की तुलना में जेएएस '20 में संवितरण में 300% की संवृद्धि दर्ज़ की गई

नोट: संवितरण रुझान 30 सितंबर 2020 तक ब्यूरो को प्रस्तुत किए गए आधार डेटा को अद्यतन किया गया है

उद्योग ऋण आकार प्रवृत्तियाँ

आरेख-04

संवितरित ऋणों की सं. (लाख में)

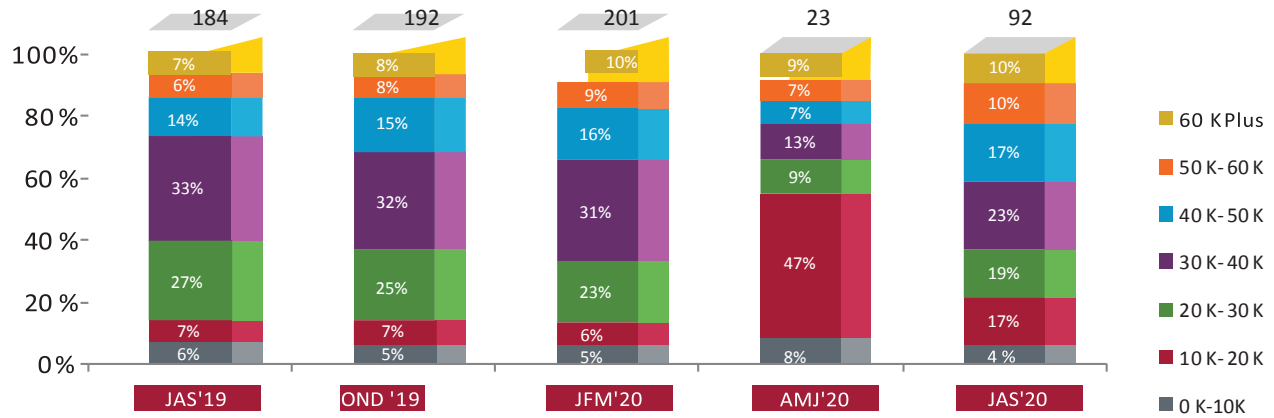

No. of Loans Disbursed (in lakh)

ऋण आकार	जु-अ-सि'19	अ-न-दि'19	ज-फ-मा'20	अ-म-जू'20	जु-अ-सि'20	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %
0K-10K	11	10	9	2	4	-64%
10K-20K	14	13	12	11	16	14%
20K-30K	50	48	46	2	17	-66%
30K-40K	60	62	63	3	21	-65%
40K-50K	25	29	33	2	16	-36%
50K-60K	10	15	19	2	9	-10%
60K Plus	13	15	19	2	9	-31%
कुल	184	192	201	23	92	-50%
तिमाही-पर-तिमाही की ऋण संवितरण संवृद्धि दर %	-	4%	5%	-89%	300%	-
अखिल भारतीय औऋआ (`)	33,404	34,814	36,748	28,059	35,225	5%
तिमाही-पर-तिमाही की ऋण आकार संवृद्धि दर %	-	4%	6%	-24%	26%	-

सारणी-04

- तालाबंदी के दौरान या अप्रेल-मई-जून 2020 तिमाही में 10 हजार से 20 हज़ार के आकार वाले ऋणों (बाजार हिस्सा 47%) की मांग बढ़ी
- अन्य आकार वाले ऋणों में, 10 हजार से 20 हज़ार के आकार वाले ऋणों ने वर्षानुवर्ष 14% की उच्चतम संवृद्धि दर्ज की गई
- यथा जुलाई-सितंबर'20 तिमाही में, उद्योग के औसत ऋण आकार में वर्षानुवर्ष 5% संवृद्धि हुई
- अप्रैल-जून'20 से जुलाई-सितं'20 में तिमाही-पर-तिमाही के हिसाब से उद्योग के औसत ऋण आकार में 26% की संवृद्धि हुई है। औसत रूप में, यह तिमाही संवृद्धि दर 4% से 6% के बीच रही .

उद्योग जोखिम रूपांकन

आरेख-05

देय होने पर व्यपगत दिनों पर आधारित चूक

उद्योग जोखिम रूपरेखा

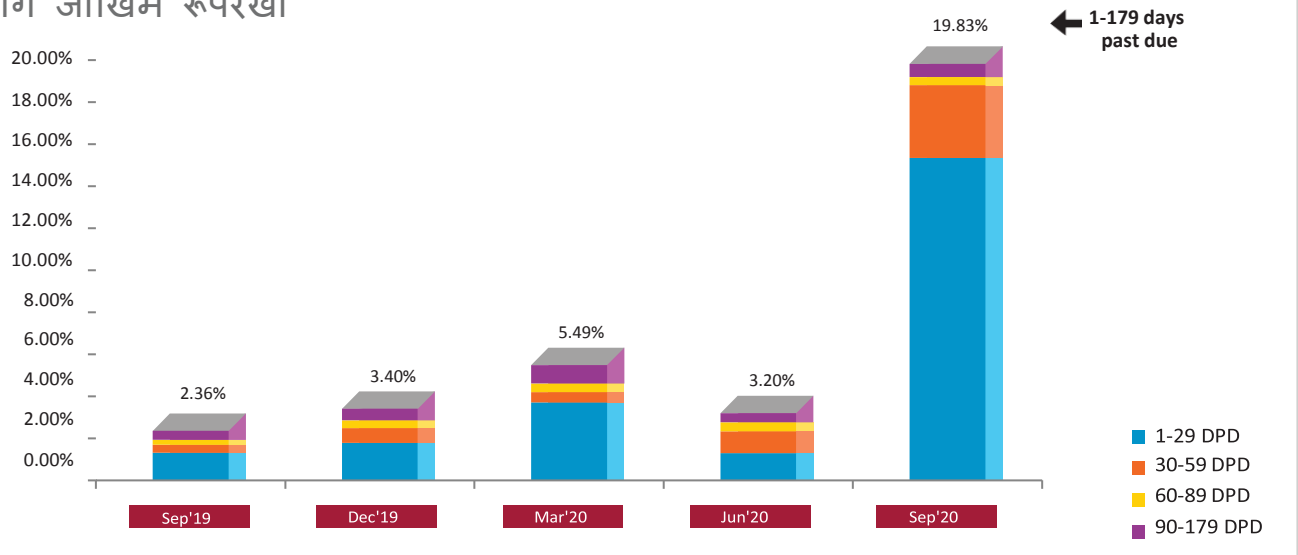

देय होने पर व्यपगत दिनों पर आधारित चूक

सूच्य तिमाही	1-29 दिन पुराने देय	30-59 दिन पुराने देय	60-89 दिन पुराने देय	90-179 दिन पुराने देय	1-179 दिन पुराने देय
सितंबर'19	1.31%	0.38%	0.24%	0.43%	2.36%
दिसंबर'19	1.79%	0.70%	0.37%	0.54%	3.40%
मार्च'20	3.72%	0.49%	0.41%	0.87%	5.49%
जून'20	1.30%	1.03%	0.43%	0.43%	3.20%
सितंबर'20	15.35%	3.47%	0.39%	0.63%	19.83%

सारणी-05

- उद्योग में 1+ अदायगी में चूक सितंबर 2020 में 19.83% के शीर्ष बिन्दु पर रहीं
- 1 से 29 दिन तथा 30 से 59 दिन के चूक खंडों में, जून 2020 की तुलना में सितंबर 2020 में क्रमश: 14.05% व 2.44% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है

चूक की गणना बकाया देयता अवधि (पीओएस) पर की गई है

जोखिम का भौगोलिक विस्तार

MicrofinancePulse

यथा सितंबर 2020 को राज्यवार/संघ क्षेत्रवार बकाया संविभाग

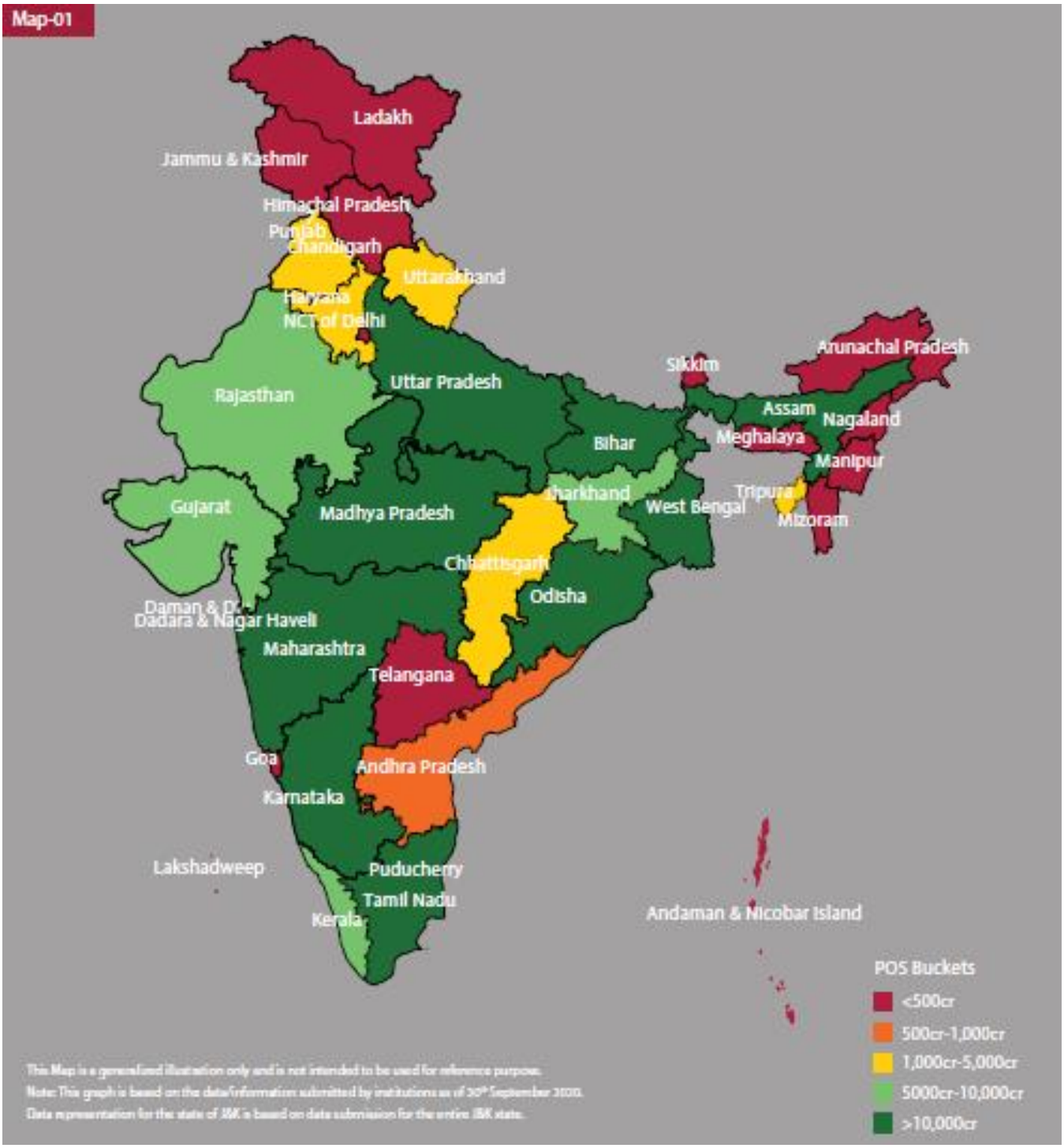

- अखिल भारतीय बकाया संविभाग यथा सितंबर 2020 को ₹227,844 करोड़ रहा
- अखिल भारतीय संविभाग में 75% योगदान केवल 9 राज्यों का है (तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडीशा, असम)
- भारत के अधिसंख्य राज्यों में पीओएस जोखिम-राशि ₹5,000 करोड़ से अधिक पाई गई है

यथा सितंबर 2020 को राज्यवार/संघ-क्षेत्रवार 90+ चूक

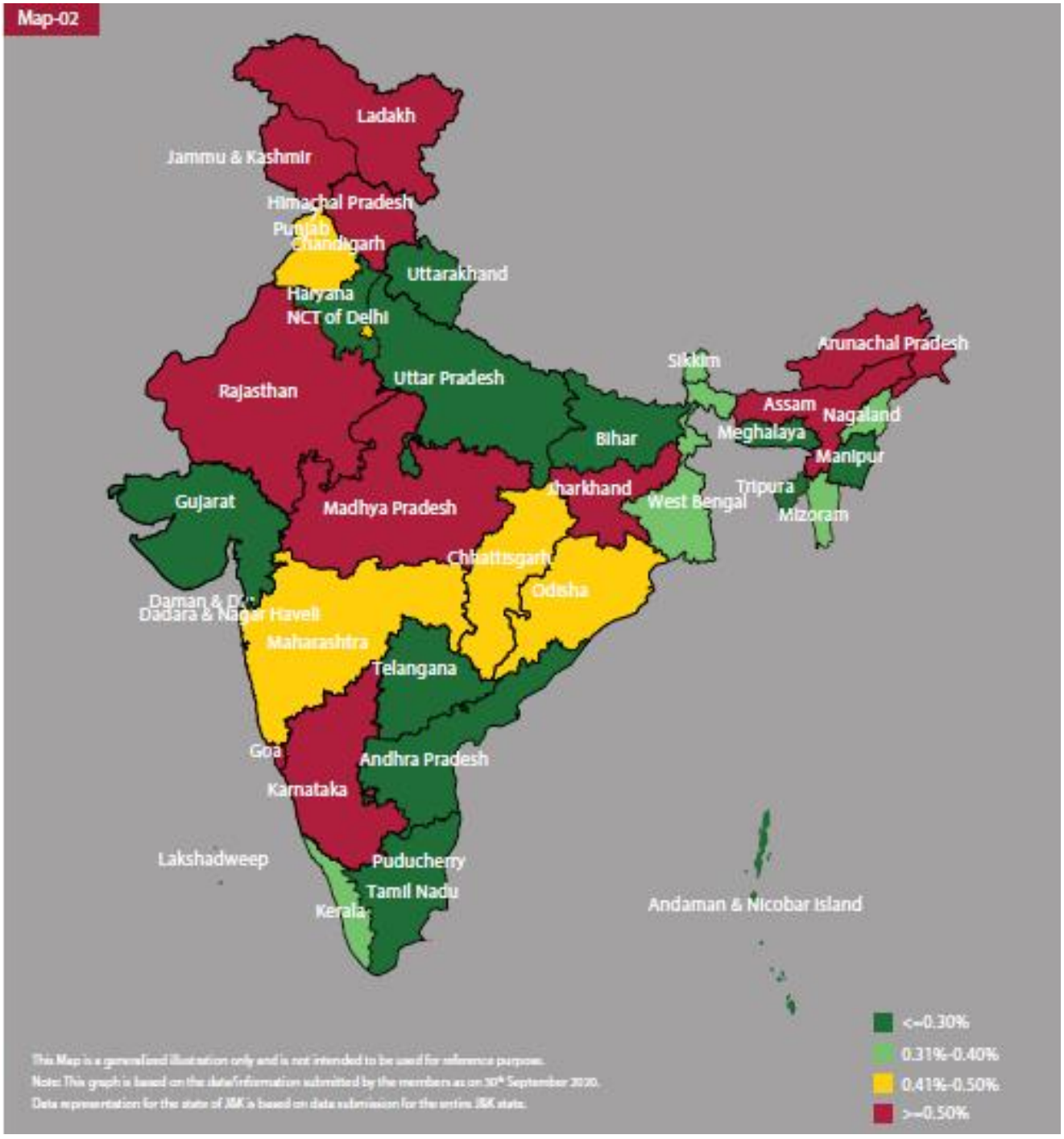

- अखिल भारतीय 90+ चूक यथा सितंबर 2020 को 0.63% है
- यथा सितंबर 2020 को 90+ चूक के अखिल भारतीय स्तर की तुलना में, एमएफ़आई वाले शीर्ष राज्यों - पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, और बिहार ने 90+ चूक के न्यून स्तर को बनाए रखा

एमएफआई उद्योग और कोविड-19

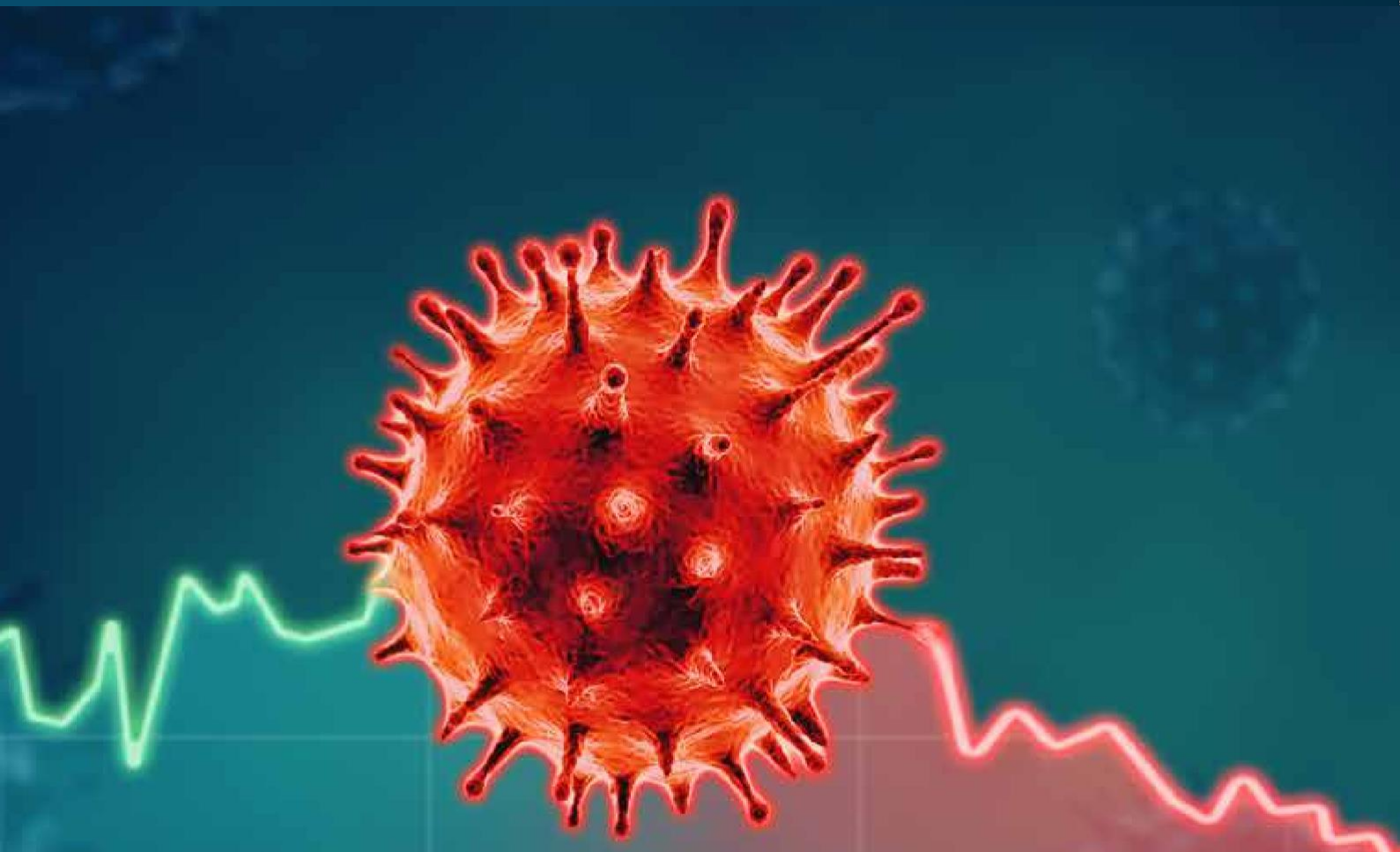

MicrofinancePulse

एमएफएई उद्योग और कोविड-19 का प्रभाव

शीर्ष 5 राज्य	जुलाई अगस्त सितम्बर '19 (संवितरित खातों की सं. - लाख में)	जुलाई अगस्त सितम्बर'20 (संवितरित खातों की सं. - लाख में)	% संवृद्धि	यथा 23 सितं., 2020 को कोविड-19 के कुल मामले
तमिलनाडु	27	13	-51%	552,674
पश्चिम बंगाल	22	11	-47%	231,484
बिहार	20	9	-56%	172,854
कर्नाटक	19	9	-54%	533,850
महाराष्ट्र	15	6	-58%	1,242,770

शीर्ष 5 राज्य	जुलाई अगस्त सितम्बर 19(संवितरित धनराशि - करोड़ में)	जुलाई अगस्त सितम्बर'20 (संवितरित धनराशि - करोड़ में)	% संवृद्धि	यथा 23 सितं., 2020 को कोविड-19 के कुल मामले
तमिलनाडु	8,845	3,980	-55%	552,674
पश्चिम बंगाल	9,225	5,057	-45%	231,484
बिहार	6,810	3,441	-49%	172,854
कर्नाटक	5,004	2,766	-45%	533,850
महाराष्ट्र	4,377	1,974	-55%	1,242,770

तालिका -7

- प्रमात्रा और मूल्य द्वारा ऋण वितरण में शीर्ष 5 राज्यों का योगदान जुलाई अगस्त सितम्बर 19 में 56% था, जो महामारी के कारण जुलाई अगस्त सितम्बर 20 में घटकर 52% हो गया है
- जुलाई अगस्त सितम्बर '19 में शीर्ष 5 राज्यों ने 103 लाख ऋण वितरित किए थे। जुलाई अगस्त सितम्बर '20 में शीर्ष 5 राज्यों में ऋण-संवितरण 49 लाख है, जो जुलाई अगस्त सितम्बर19 से 53% कम है
- शीर्ष 5 राज्यों के लिए वितरण राशि जुलाई अगस्त सितम्बर '19 से 50% घटकर जुलाई अगस्त सितम्बर '20 हो गई है

कोविड-19 डेटा स्रोत: https://www.mygov.in/covid-19

आकांक्षी जिले

आकांक्षी जिले - सितंबर, 2020 - संक्षिप्त विवरण

ग्राफ-06

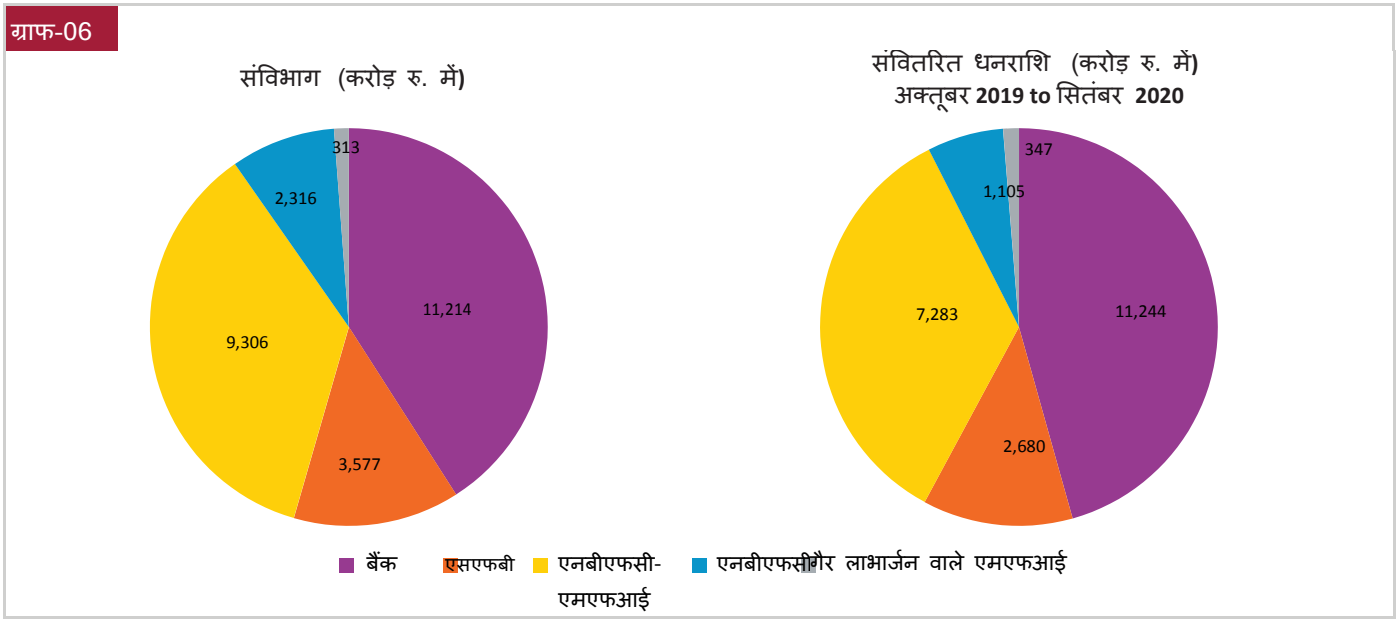

Graph-07

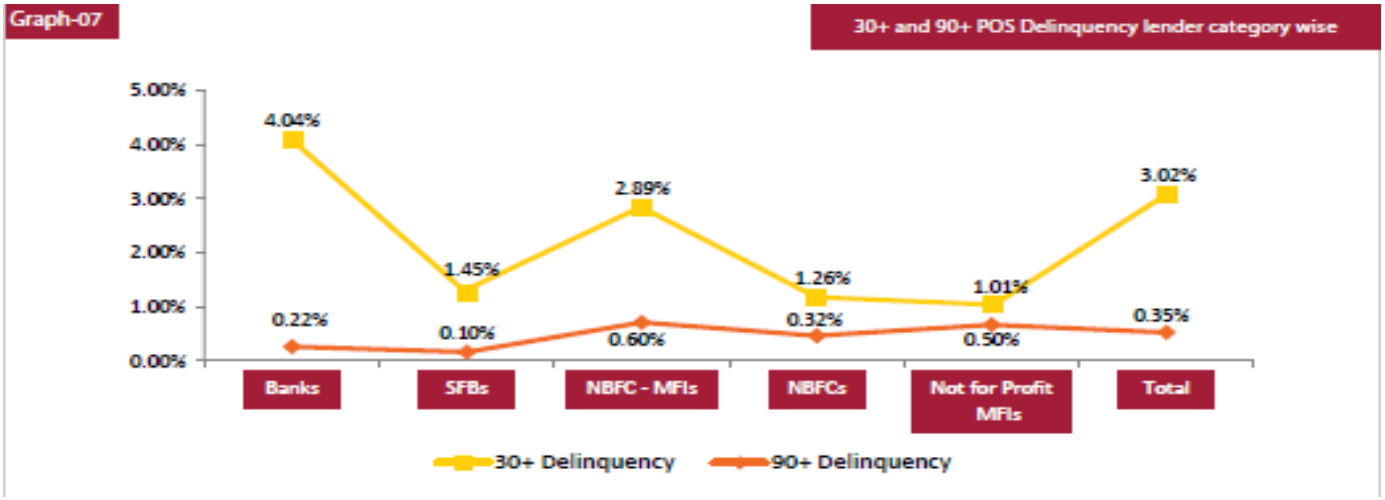

Aspirational Districts Growth Particulars	December 2017	September 2020	Growth %
Active Customer Penetration ('000)	4,155	7,308	76%
Disbursement Amount (₹crore)	14,374*	22,659**	58%
Active Loans ('000)	6,925	12,654	83%
Portfolio Outstanding (₹crore)	11,175	26,726	139%
30+ Delinquency	1.54%	3.02%	-
90+ Delinquency	0.75%	0.35%	-

सितंबर, 2020 तक आकांक्षी जिलों में बैंकों की 42% की हिस्सेदारी के साथ, कुल बकाया संविभाग 26726 करोड़ रुपए रहा। इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई की 35% हिस्सेदारी रही।

एनबीएफसी-एमएफआई में आकांक्षी जिलों में सबसे अधिक 90 + अपचारिता है

संविभाग बकाया में 139% की वृद्धि हुई और वितरित राशि में दिसंबर 2017 से सितंबर 2020 तक 58% की वृद्धि देखी गई

* संवितरण - जनवरी 2017 से दिसंबर, 2017
** संवितरण - अक्तूबर 2019 से सितंबर, 2020
चूक संबंधी गणना के आधार पीओएस हैं

आकांक्षी जिले - ग्राहकीय एवं भौगोलिक विस्तार

आरेख - 8

बकाया संविभाग खंड द्वारा ग्राहक वितरण -

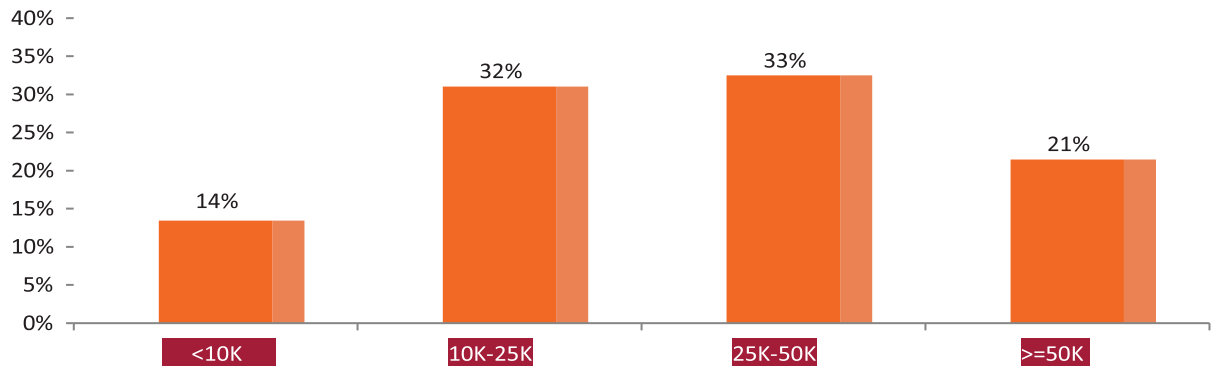

जिला	राज्य	बकाया संविभाग (करोड़ रु. में) सितंबर 2020	सक्रिय खाते ('000) सितंबर 2020	गतिशील संस्थाएँ *गणना सितंबर 2020	सक्रिय उधारकर्ता ('000) सितंबर 2020	90+ बकाया संविभाग अपचारिता सितंबर 2020
मुजफ्फरपुर	बिहार	1,707	793	65	503	0.28%
बेगूसराय	बिहार	1,261	575	62	338	0.27%
पूर्णिया	बिहार	983	433	51	258	0.07%
औरंगाबाद	महाराष्ट्र	950	461	59	227	0.76%
दाहोद	गुजरात	785	394	38	218	0.06%
अररिया	बिहार	754	341	56	208	0.05%
सीतामढ़ी	बिहार	746	357	41	207	0.01%
कटिहार	बिहार	745	332	47	196	1.05%
विरुदुननगर	तमिलनाडु	743	387	48	195	0.40%
रामनाथपुरम	तमिलनाडु	611	307	53	163	0.10%

तालिका -09

- आकांक्षी जिलों के उधारकर्ता 10 हजार से 50 हजार के बकाया संविभाग खंड में संकेंद्रित हैं।
- सितंबर 2020 तक बकाया संविभाग के आधार पर बिहार के 5 से अधिक जिले शीर्ष 10 आकांक्षी जिलों के हिस्सा हैं।
- शीर्ष 10 आकांक्षी जिलों के बकाया संविभाग में मुजफ्फरपुर का योगदान 18% है। इसके बाद बेगूसराय का 14% और पूर्णिया का 11% है।
- शीर्ष 10 आकांक्षी जिलों में सीतामढ़ी की 90+ अपचारिता,0.01% रही जो कि यथा सितंबर 2020 सभी आकांक्षी जिलों में 90+ अपचारिता सबसे न्यूनतम है।

कई भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने वाले संस्थानों के कारण कुछ दोहराव हो सकता है।

राज्य की व्यापक रूपरेखा : बिहार

MicrofinancePulse

बिहार : राज्य का परिदृश्य

ग्राफ-09

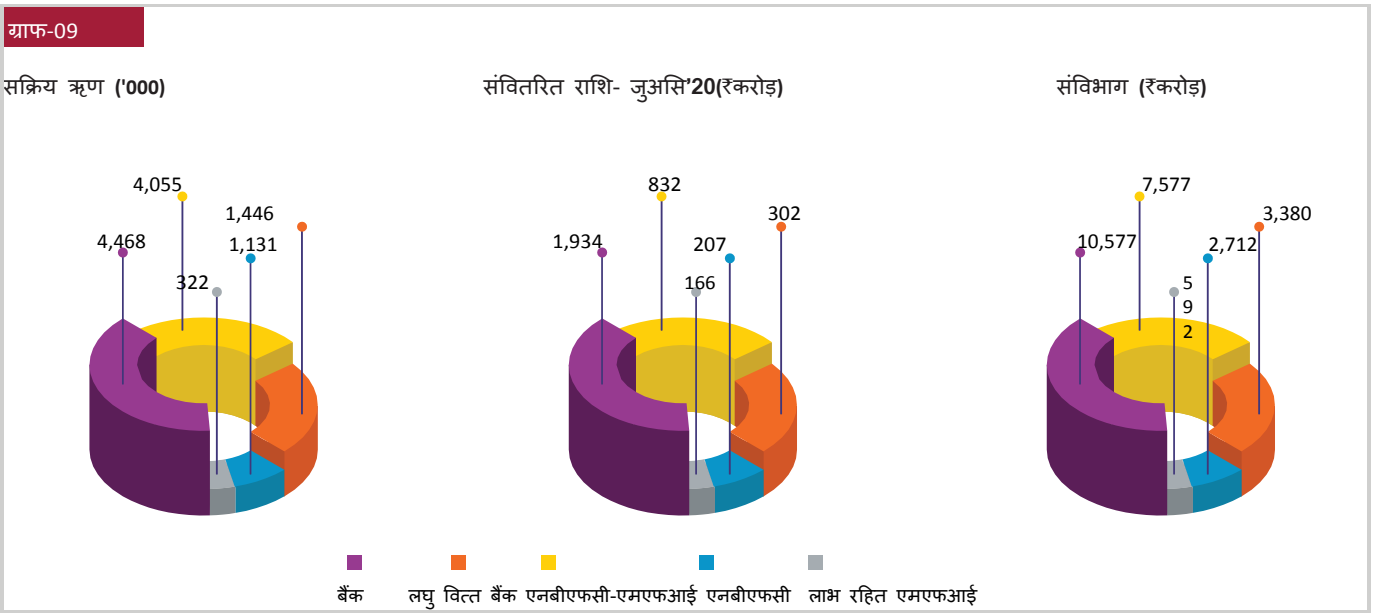

सितंबर 2020 को बिहार की एक आशुचित्र	बैंक	लघु वित्त बैंक	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी	लाभ के लिए एमएफआई नहीं	कुल उद्योग
सक्रिय ऋण ('000)	4,468	1,446	4,055	1,131	322	11,422
संविभाग (करोड़) Portfolio (`crore)	10,577	3,380	7,577	2,712	592	24,838
बकाया संविभाग में बाज़ार शेयर	43%	14%	30%	11%	2%	100%
संवितरित राशि (करोड़) - जुअसि'20	1,934	302	832	207	166	3,441
औसत ऋण आकार {'} - जुअसि'20	42,743	41,457	31,030	34,944	34,653	38,209
30+अपचारिता (पीओएस)	1.73%	1.09%	2.49%	0.12%	0.63%	1.67%
90+ अपचारिता (पीओएस)	0.06%	0.06%	0.45%	0.01%	0.22%	0.18%

टेबल-10

- सक्रिय ऋण और बकाया संविभाग के मामले में बिहार पूरे भारत वर्ष में एमएफआई संविभाग में 11% का योगदान देता है
- बिहार का एटीएस जुअसि'20 की पूरे भारत वर्ष की एटीएस से 8% अधिक है
- 30 सितंबर 2020 तक अखिल भारतीय अपचारिता की तुलना में बिहार की 90+ अपचारिता कायम है
- बैंक बकाया संविभाग में 43% का योगदान दे रहे हैं जो सभी उधारदाताओं में सबसे अधिक है
- बिहार में बैंक का एटीएस स्रोत सबसे अधिक ₹42,743 है उस के बाद ₹ 41,457 एसएफबी का है
- एनबीएफसी ने अन्य उधारदाताओं की तुलना में 30+ और 90+अपचारिता को बहुत अच्छी तरह से बनाए रखा है

बिहार: संवितरण प्रवृतियाँ - संस्थावार

ग्राफ-10

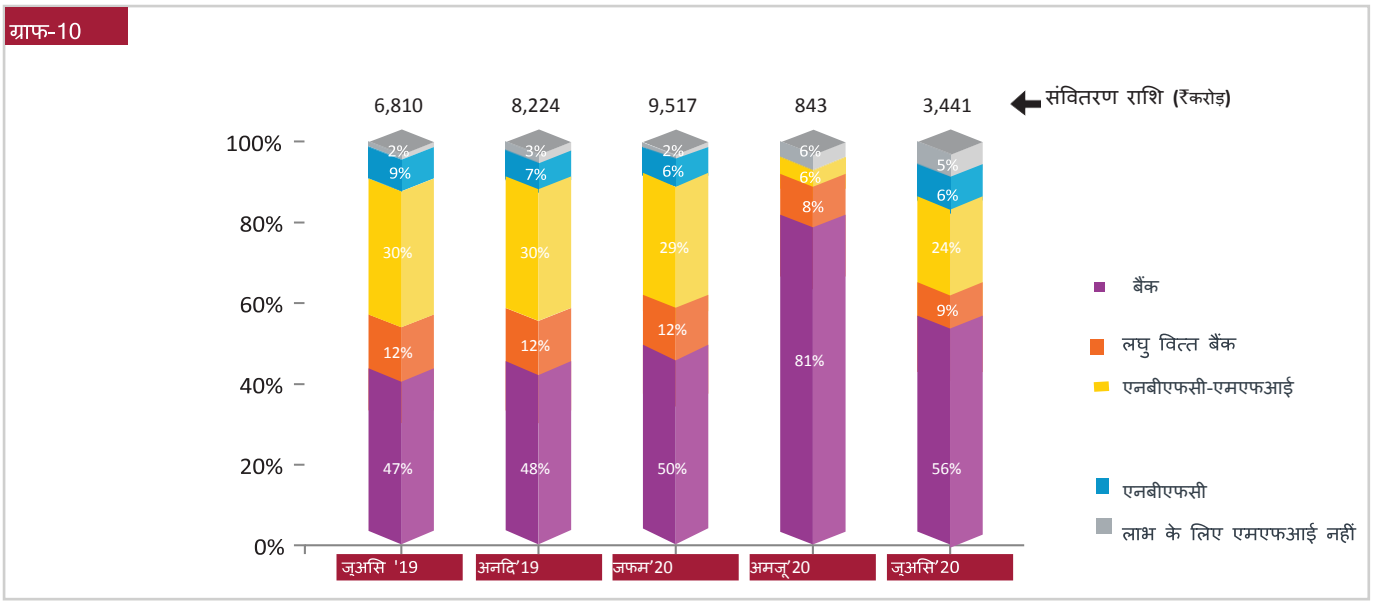

संवितरित ऋणों की संख्या ('000 में)

विवरण	जु आ सि'19	अ न दि '19	ज फ म'20	अ म जू'20	जु आ सि'20
बैंक	852	946	1,083	209	452
लघु वित्त बैंक	236	278	333	17	73
एनबीएफसी-एमएफआई -	724	827	913	14	268
एनबीएफसी	177	173	162	1	60
एमएफआई जो लाभ के लिए नहीं	40	68	66	48	48
कुल उद्योग	2,029	2.292	2.557	289	901

तालिका -11

- जु अ सि '19 की तुलना में जु अ सि '20 में महामारी का प्रभाव दिखाई दे रहा है। जु अ सि '19 से जु अ सि '20 तक संवितरण राशि 49% घटी है।
- जु अ सि '19 से जु अ सि '20 तक ऋण स्रोतीकरण 56% घटी है
- ऋण स्रोतीकरण में बैंकों का योगदान सभी तिमाहियों में सबसे अधिक है उसके पश्चात एनबीएफसी-एमएफआई का योगदान है
- जु अ सि '20 में ऋण स्रोतीकरण में बैंकों का योगदान 50% है, इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई का 30% है
- जु अ सि '20 में ऋण स्रोतीकरण अ म जू'20 से 212% की वृद्धि हुई है

बिहार: भौगोलिक संविभाग योगदान

ग्राफ-11

उधारदाता वर्ग द्वारा भूगोल

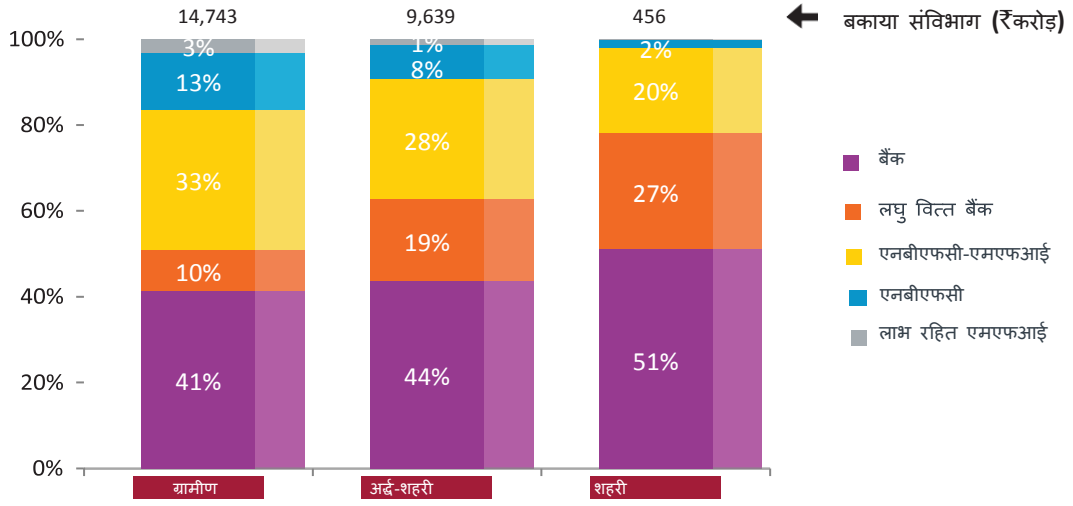

ग्राफ-12

भूगोल से 90+ अपचारिता

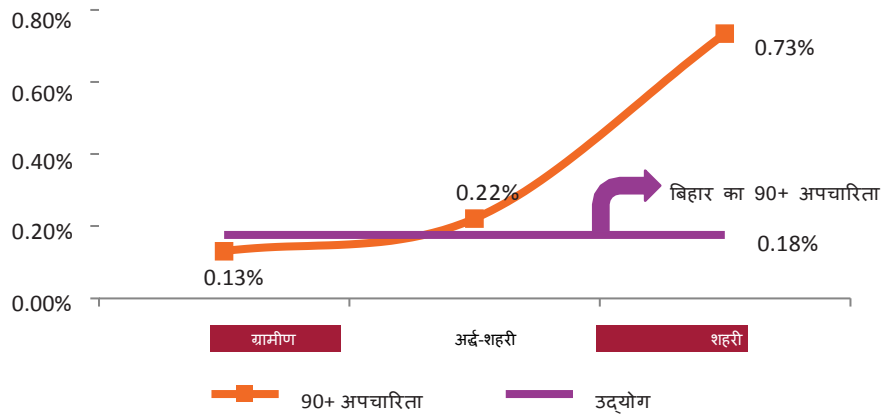

- सितंबर, 2020 को बिहार के बकाया संविभाग में ग्रामीण भूगोल का 59% योगदान है इस के बाद 39% अर्द्ध-शहरी और शहरी 2% है।
- बकाया संविभाग में बैंकों का योगदान समस्त भौगोलिक क्षेत्रों में सबसे अधिक है।
- राज्य 90+ पीओएस अपचारिता के मुक़ाबले में शहरी भूगोल 90+पीओएस अपचारिता अधिकत्तम प्रदर्शित होता है।

बिहार : उधारकर्ता विस्तार

Graph-13

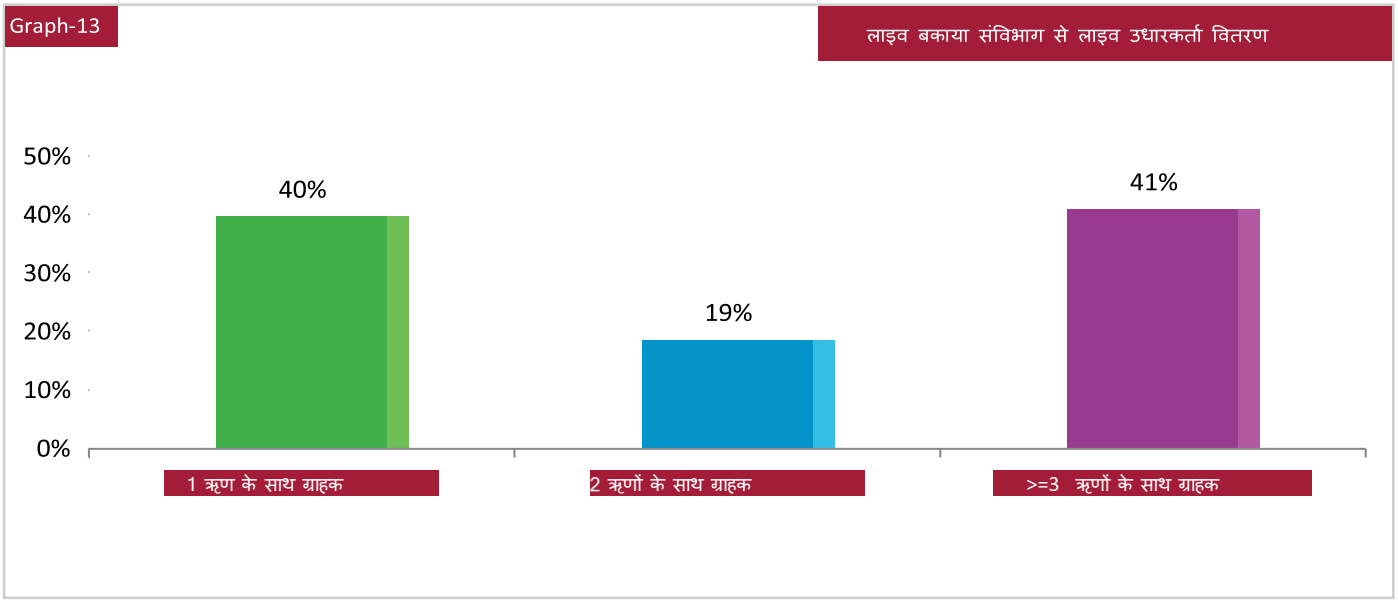

ग्राफ-14

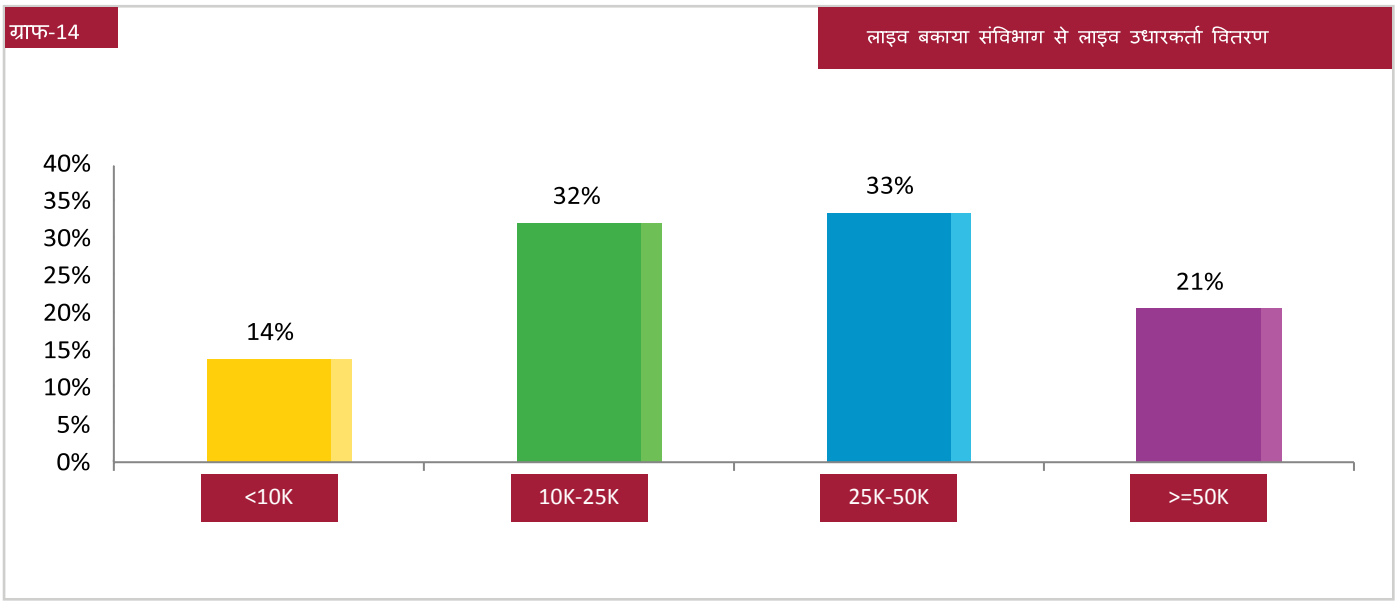

- बिहार के कुल उधारकर्ताओं में से 41% के पास 2 से अधिक एमएफआई ऋण हैं
- संविभाग के प्रति बकाया राशि से उधारकर्ता विस्तार के बारे में यह पता चलता है कि 65% उधारकर्ता ₹10,000 से ₹50,000 के बीच आते हैं

सिडबी के बारे में

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की स्थापना संसद द्वारा पारित अधिनियम के अन्तर्गत 1990 में की गई। सिडबी को प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीन कार्यों को क्रियान्वित करने और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों का समन्वय करने के लिए अधिदेश प्राप्त है। इन वर्षों में, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों पर लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, पूरे एमएसएमई वर्णक्रम के उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र के कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ सहयोग किया है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र की ज्ञानपरक विसंगतियों के समाधान, एमएसएमई इकाइयों और क्रिसीडेक्स के स्वास्थ्य अनुवीक्षण, एमएसई संवेदनाओं और आकांक्षाओं को मापने, उद्योग की लोकप्रियता, उद्योग क्षेत्र और फिनटेक पल्स के एक व्यापक रिपोर्ट के लिए फिनटेक ऋणदात्री समूहों के ऋण आंकड़ों के बारे में अन्तर्दृष्टि के लिए माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा एमएसएमई पल्स जैसे पहल करके विभिन्न अग्रणी नेतृत्व किए हैं।

अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई संस्थाओं को संचयी रूप से `19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के माध्यम से समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / विश्वव्यापी बैंक में रूपांतरित हुई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर सिडबी की एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) सिडबी छोटे ऋण सीधे उधारकर्ता को उपलब्ध कराता है। "प्रयास" नामक इस पहल के अंतर्गत बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल से पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर `0.50 लाख से `5 लाख के छोटे आकार के ऋणों को दिया जा रहा है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से होता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की संख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया। भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग उपयोगकर्ता इस शर्त के साथ स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट सितंबर 2020 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी प्रवेश या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं करती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण :

इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,
इकाई संख्या 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
सोलेटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400093
टोल फ्री नं .: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
स्वावलंबन भवन, प्लॉट सं. सी -11, 'जी' ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400051 महाराष्ट्र
टोल फ्री नं .: 1800 226753
www.sidbi.in/en

Copyright © 2020, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademark of Equifax Inc.